माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

नवीन अंक योजना आधारित

आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

बहीखाता एवं लेखाकर्म
(Book Keeping and Accountancy)

सत्र 2013–14

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न – पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी

कक्षा :– 12वीं | पूर्णांक :– 100

विषय :– पुस्त पालन एवं लेखाकर्म (वाणिज्य समूह) | समय : 3:00 घण्टे

स.क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नो की संख्या					कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	7 अंक	
1	प्रेषण लेखे	10	5	–	–	1	–		1
2	साझेदारी लेखे	07	3	–	1	–	–		1
3	साझेदारी का पुनर्गठन	08	3	–	–	1	–		1
4	नए साझेदार का प्रवेश एवं निवृत्ति	10	5	–	–	1	–		1
5	साझेदारी फर्मों का समापन (विघटन)	10	4	–	–	–	1		1
6	अंश पूजी लेखे	15	–	–	1	1	1		3
7	ऋण पत्र संबंधी लेखे	15	5	1	2	–	–		3
8	कम्पनी का वित्तीय विवरण	05	–	–	–	1	–		1
9	वित्तीय विवरणों का विश्लेषण	10	–	3	1	–	–		4
10	वित्तीय स्थिति में परिवर्तन–सूचक विवरण	10	–	1	2	–	–		3
	योग	100	25	5	7	5	2		19+5= 24

निर्देश:– प्रश्नपत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक, 5 प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिसके अन्तर्गत एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा रिक्त स्थानों की पूर्ति के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए1 अंक निर्धारित है। (1x4x5=20) यह प्रश्न प्रत्येक छात्र को हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 5 से 18 तक प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार रहेगी–
   - अतिलघुउत्तरीय प्रश्न — 02 अंक — लगभग 30 शब्द
   - लघुउत्तरीय प्रश्न — 04 अंक — लगभग 75 शब्द
   - दीर्घउत्तरीय प्रश्न — 05 अंक — लगभग 120 शब्द
   - दीर्घउत्तरीय प्रश्न — 06 अंक — लगभग 150 शब्द
   - निबंधात्मक प्रश्न 7 अंक — लगभग 250 से 300 शब्द
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर शेष सभी प्रश्नों में विकल्प योजना रहेगी।
4. विकल्प के प्रश्न उसी इकाई से, समान कठिनाई स्तर वाले तथा पाठ्यक्रम अनुसार होना चाहिए।
5. कठिनाई स्तर– 40 सरल प्रश्न, 45 सामान्य प्रश्न, 15 कठिन

हायर सेकेण्डरी सर्टीफिकेट परीक्षा–2013
बहीखाता एवं लेखाकर्म
(Book Keeping and Accountancy)

समय :– 3 घण्टे पूर्णांक – 75

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(2) प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक निर्धारित है। कुल 25 अंक

(3) प्रश्न 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न पर 02 अंक निर्धारित हैं। शब्द सीमा लगभग 30 शब्दों में कुल प्रश्न 5 कुल अंक 10.

(4) प्रश्न 11 से 17 तक है। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक लगभग 75 शब्दों में कुल 07 प्रश्न कुल अंक – 28.

(5) प्रश्न 18 से 22 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक लगभग 120 शब्दों में कुल – 05 प्रश्न कुल अंक – 25.

(6) प्रश्न 23 से 24 तक दीर्घउत्तरीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक लगभग 150 शब्दों में कुल – 02 प्रश्न कुल अंक – 12.

(7) प्रश्न 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(8) व्यवहारिक प्रश्नों के लिए शब्द सीमा बंधन नहीं है।

Introductions :-

i) All questions are compulsory.

ii) Question No. 1 to 5 are objective type, each carries 5 marks.

iii) Question No. 6 to 10 carries 2 marks each. word limit of answer is 30.

iv) Question No. 11 to 17 carries 4 marks each, word limit of answer is 75.

v) Question No. 18 to 22 carries 5 marks each word limit of answer is 120.

vi) Question No. 23 to 24 long question each carries 6 marks word limit of answer is 150.

vii) Question No. 6 to 25 carry internal choice.

viii) No word – limit for practical problems.

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)
(Objective Type Questions)

प्र.1 नीचे दिए गये विकल्पों में से सही उत्तर लिखिये –

अ) प्रेषण पर भेजे गये माल का स्वामित्व होता है –

अ) प्रेषणी का ब) क्रेता का

स) प्रेषक का द) विक्रेता का

ख) साझेदारी संलेख बनाना है –

अ) अनिवार्य ब) ऐच्छिक

स) अंशतः अनिवार्य द) कोई आवश्यक नहीं

ग) लेनदार कम्पनी के होते हैं –

अ) अंशधारी ब) ऋणपत्रधारी

स) देनदार द) क्रेता

घ) ख्याति की सम्पत्ति है

अ) मूर्त ब) अमूर्त

स) चालू द) इनमें से कोई नहीं

ड.) फर्म के विघटन पर साझेदार के ऋण को हस्तांरित किया जाता है –

अ) वसूली खाते में ब) साझेदारों के पूँजी खाते में

स) साझेदारों के चालू खाते में द) इनमें से कोई नहीं

Choose the correct option

1) Ownership of the goods consigned resides with -

a) Consignee b) Purchaser

c) Consignor d) Seller

2) Preparation of partnership deed is -

a) Compulsory b) Voluntary

c) Partly compulsory d) Not compulsory

3) Creditors of company are known as -

a) Shareholders b) Debenture holder

c) Debtors d) Purchaser

4) The type of asset goodwill is

a) Tangible b) Intangible

c) Current d) None of the above

5) Dissolution of a firm partner's loan account is transferred to -

a) Realisation account b) Partner's capital account

c) Partner's current account d) None of the above

प्र.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –

1) बीजक मूल्य में ..... सम्मिलित होता है।

2) वसूली खाता एक प्रकार का ..... खाता है।

3) जीवन बीमा संचय कोष को हस्तांतरित करेंगे ..... के पूंजी खाते में।

4) अशोध्य ऋणपत्र वे होते हैं जिनका ..... कम्पनी के समापन की दशा में किया जाता है।

5) सामान्य लाभ एवं औसत लाभ के अंतर को ..... कहते है।

Fill in the blanks –

i) In invoice price ..... is included.

ii) Realisation account is a kind of.....

iii) Life insurance reserve fund is transferred to ..... capital account.

iv) Those debentures are Irredeemable debenture, which are ..... at liquidation of the company.

v) Difference between normal profit and average profit is called .....

प्र.3 सही जोड़ी बनाइये – **5**

'अ'		'ब'	
1) ऋण पत्रधारी को	–	a)	वास्तविक खाता है
2) स्थानीय ख्याति	–	b)	माल का चोरी होना
3) असामान्य हानि	–	c)	फर्म के समापन पर खोला जाता है
4) वसूली खाता	–	d)	मताधिकार प्राप्त नहीं होता है
4) पुर्नमूल्यांकन खाता एक	–	e)	बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति

Match the coloum –

1)	Debenture holder is	-	a)	Real A/c
2)	Place good will	-	b)	Loss by theft
3)	Abnormal Loss	-	c)	Opened at the time of dissolution of firm
4)	Realization account	-	d)	Not entitled to give vote
5)	A Revaluation a/c is	-	e)	Nature of cat

प्र. 4 सत्य/असत्य बनाइये –

1) प्रेषण व्यवहार को एजेंसी व्यवहार भी कहते है ।
2) ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति, जिसे यथाशक्ति अपलेखित कर दिया जाना चाहिए।
3) ऋणपत्र धारियों को एक निश्चित दर से ब्याज प्राप्त होता है।
4) किसी साझेदारी का ऋण आंतरिक दायित्व है।
5) ख्याति की राशि पर निवृत्त (अवकाश प्राप्त) साझेदार का कोई अधिकार नहीं होता है।

Write True and False –

1) A consignment transaction is also called agency.
2) Goodwill is an intangible assets, which should be written off soon.
3) Debenture holders received interest at a fixed rate.
4) The loan of any partner is an internal liability.
5) The retired partner is not having any right on amount of goodwill.

प्र. 5 निम्नलिखित में से प्रत्येक का एक शब्द में उत्तर दिजिए –

1) साझेदारी उचन्त खाता कब खोला जाता है ?

2) गार्नर बनाम मर्रे मुकदमे में न्यायाधीश का नाम दर्ज होता है।

3) वसूली खाता फर्म के जीवनकाल में कितनी बार खोला जाता है ?

4) प्रेषक खाता कौन बनाता है ?

5) वेत्रऋणपत्र जो अंशों में बदले जा सकते हैं क्या कहलाते है ?

Give answer in one word –

i) When is Annuity suspense account prepared ?

ii) Who was the justice in Ganer Vs Murry case ?

iii) How many times realization account is opened in life time of a firm?

iv) Who prepares consignor account ?

v) Name the debenture which can be converted into shares ?

प्रश्न –6 सुरक्षित एवं असुरक्षित ऋण पत्र को समझाइये ?

Explain secured and unsecured debentures ?

अथवा

OR

शारदा लि0 ने 50रू. वाले 4,000, 6% ऋण पत्र निम्न प्रकार निर्गमित किये आवेदन पर 5 रू., आवंटन पर 10 रू. तथा शेष याचना पर जो नहीं की गई। 800 ऋणपत्रों के एक धारी ने आवंटन राशि नहीं चुकाई।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Sharada limited issed 4,000. 6% debenture of Rs. 50 each payable as Rs. 5 on appliction Rs. 10 on allotment and the balance on all which was not called. A holder of 800 debenture faild to pay allotment money. Pass necessary journal entries in the books of the company.

प्रश्न –7 रोकड़ प्रवाह विश्लेषण क्या है ?

What is cash flow analysis?

अथवा OR

समविच्छेद बिंदु विश्लेषण क्या है ?

What is break even point analysis?

प्रश्न –8 **वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की दो विशेषताएं लिखिए ?**

Write two characteristics of analysis of financial statment.

अथवा OR

चालू दायित्वों में कौन–कौन सी मदें सम्मिलित की जाती हैं ?

Which items are included in the current liabilities?

प्रश्न –9 **चालू अनुपात एवं त्वरित अनुपात में अंतर लिखिये।**

Differentiate between current ratio and quick ratio.

अथवा OR

क्रियाशीलता या सक्रियता अनुपात क्या है ?

What is solvency ratio?

प्रश्न –10 **रोकड़ प्रवाह विवरण में 'प्रवाह' का क्या अर्थ है ?**

What is ment by flow in cash flow statement?

अथवा OR

रोकड़ के प्रमुख स्त्रोत लिखिए।

What are the major source of cash.

प्रश्न –11 **वित्तीय विवरणों का विश्लेषण का महत्व समझाइये।**

Explain the importance of analysis of financial statements.

अथवा OR

निम्न सूचनाओं से तुलनात्मक आय का विवरण बनाइए।

विवरण	2006	2007
विक्रय	2,00,000	3,00,000
बेचे गये माल की लागत	विक्रय का 60%	विक्रय का 70%
अप्रत्यक्ष कर	सकल लाभ पर 50%	सकल लाभ पर 40%
आयकर	कर पूर्व शुद्ध लाभ का 50%	कर पूर्व शुद्ध लाभ का 50%

Prepare a comparative income statement with the help of the following information -

Particulars	**2006**	**2007**
Sales	2,00,000	3,00,000
Cost of Goods Sold	60% of Sales	70% of Sales
Indirect Exp.	50% of Gross Profit	40% of Gross Profit
Income Tax	50% of net profit before Tax	50% of net profit before Tax

प्रश्न –12 शुद्ध लाभ तथा प्रचालन से प्राप्त रोकड के मध्य अंतर लिखिये ।

Differentiate between net profit and cash received from operation.

अथवा OR

निम्नलिखित विवरणों से प्रचालन से प्राप्त रोकड़ की गणना कीजिए।

विवरण	**वर्ष 2002**	**वर्ष 2001**
देनदार	15,000	12,000
अरत्त व्यय	3,000	1,000
पूर्वदत्त व्यय	2,000	2,500
लेनदार	13,000	15,000

वर्ष 2002 के दौरान लाभ 25,000 रू. हुआ।

From the following information calculate cash flow from operating activities :-

Particulars	Amount 2002	Amount 2001
Debtors	15,000	12,000
Outstanding exp.	3,000	1,000
Prepaid exp.	2,000	2,500
Creditors	13,000	15,000

Profit during the year 2002 is Rs. 25,000

प्रश्न –13 कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण में अंतर ।

Differentiate between cash flow statement and fund flow statement.

अथवा OR

गौतम कम्पनी के वर्ष 2006–2007 के चिट्ठे निम्न हैं –

दायित्व	2006 रू.	2007 रू	सम्पत्तियां	2006 रू.	2007 रू
पूँजी	4,00,000	2,00,000	भवन	3,00,000	2,40,000
लेनदार	40,000	30,000	मशीन	60,000	50,000
देय विपत्र	5,000	4,000	देनदार	30,000	28,000
लाभ हानि खाता	1,00,000	2,00,000	रोकड	1,00,000	40,000
			स्टाक	55,000	76,000
	5,45,000	4,34,000		5,45,000	4,34,000

उपयुक्त जानकारी के द्वारा रोकड की गणना कीजिए।

The following are the balance sheet for the year ended 2006-2007 of Gautam Company -

Liabilities	**2006**	**2007**	**Assets**	**2006**	**2007**
Capital	4,00,000	2,00,000	Building	3,00,000	2,40,000
Creditors	40,000	30,000	Machine	60,000	50,000
Bills Payble	5,000	4,000	Debtors	30,000	28,000
Profit & Loss	1,00,000		Cash	1,00,000	40,000
			Stock	55,000	76,000
	5,45,000	**4,34,000**		**5,45,000**	**4,34,000**

With the help of above Balance Sheet calculate cash flow statement.

प्रश्न –14 अंशधारी एवं ऋण पत्रधारी अंतर ।

Differentiate between a share holders and debenture holder.

अथवा OR

आर.के. लि. ने 20 रू. वाले 5,000 9% ऋण पत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित किए। राशि इस प्रकार देय थी – 4रू. आवेदन पर, 10 रू. आवंटन पर प्रीमियम सहित एवं शेष राशि प्रथम एवं अंतिम याचना पर ऋणपत्रों के निर्गमन पर 400रू. व्यय हुए।

R.K. Limited issued 5000 9% debenture of Rs. 20 each at 10% premium amount payable as Rs. 4 on application, Rs. 10 on allotment including premium and the balance on first and final call. Expenses on issues of debenture on final call were Rs. 400. Pass necessary journal entries.

प्रश्न –15 परिवर्तनशील एवं अपरिवर्तनशील ऋण पत्र क्या है ?

Explain convertible and non convertible debenture.

अथवा OR

तृप्ति लिमिटेड कम्पनी ने 100रू. वाले 2000, 15% ऋण पत्रों को जोकि जारी किये गये थे को 25% प्रीमियम पर जारी 10रू. वाले समता अंशों में परिवर्तित करके शोधित कर दिया।

उपर्युक्त परिस्थिति के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Tripti Limited redeemed the 2000, 15% debenture at 25% premium by converting them into equity shares of Rs. 10 each debentures were originally issued at a discount of 25% make necessary journal entries.

प्रश्न –16 अंश हरण का क्या अर्थ है ? अंशों का हरण किस प्रकार किया जाता है ।

What do you mean by forteiture of shares? when can shares be forfeited.

अथवा OR

वी.के. लिमिटेड ने 10रू. वाले 10,000 अंश निर्गमित किये। राशि इस प्रकार देय थी आवेदन पर 6रू. प्रति अंश व आवंटन पर 4 रू. प्रति अंश। 500 अंश के एक धारी महेश ने आवंटन की राशि नहीं चुकाई। अतः इउसके अंश जब्त कर लिये गये।

कंपनी की पुस्तकों में जब्ती से संबंधित जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

V.K. Ltd. issued 10,000 shares of Rs. 10 each payble Rs. 6 pershare on application and Rs. 4 pershare on allotment, Mahesh a holder of 500 share, failed to pay allotment money. His shares were forfeited. Make Journal entries for forfeiture of shares in the books of company.

प्रश्न –17 साझेदारी में लाभ की गारण्टी से क्या आशय है ? किसी साझेदार को लाभ की गारण्टी क्यों दी जाती है ?

What do you mean by Guarantee of minimum profit to partner? Why is it given?

अथवा OR

मोहन एवं मोहित 5 : 3 अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए एक फर्म के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः 3,00,000 रू. एवं 2,00,000 रू. थी। साझेदारी संलेख में व्यवस्था है कि –

1) पूँजी पर ब्याज 12 प्रतिशत वार्षिक की दर से मिलनी चाहिए।

2) मोहित को शुद्ध लाभ पर 5% कमीशन मिलना चाहिए।

3) वर्ष का शुद्ध लाभ 1,23,000 रू. था।

लाभ–हानि नियोजन खाता बनाइये।

Mohan and Mohit are partners profit in of 5 : 3. Their capital were Rs. 3,00,000 and Rs. 2,00,000 respectively partnership deed provides that -

i) Interest on capital should be give@ 12% P.a.

ii) Ramesh should get 5% commission on net profit.

iii) Net profit for a year was Rs. 1,23,000.

Prepare profit and loss appropriation account.

प्रश्न –18 माल के प्रेषण तथा विक्रय में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

Distinguish between consignment and sale.

अथवा OR

कानपुर के एक व्यापारी ने 50 पेटी चाय 700 रू. प्रति पेटी की दर से नागपुर के ऐजेण्ट को भेजी। उन्होंने रेल किराया और भाडे एवं बीमा व्यय के क्रमशः 2400 रू. एवं 1200 रू. दिये। नागपुर के एजेण्ट ने 15,000 का बैंक ड्राफ्ट अग्रिम भेजा। प्रेषणी ने बिक्री विवरण भेजा जिसमें उन्होंने दर्शाया कि सम्पूर्ण माल 56,000 रू. का विक्रय किया एवं 1000 रू. बिक्री व्यय के चुकाये उन्हें कुल विक्रय पर 5% कमीशन देय है। प्रेषक की पुस्तकों में प्रेषण खाता बनाइये।

A businessman of Kanpur consigned 50 boxes tea @ Rs. 700 per box to the agent of Nagpur. They paid railway frieght and insurance Rs. 2400 and Rs. 1200 respectively. Agent sent a draft of Rs. 15,000 as

advance. Consignee sent account sale which included that all the goods were sold for Rs. 56,000 and paid Rs. 1000 for selling expenses. He is entitled to 5% commission on gross sales. Prepare consignment account in the books of consignor.

प्रश्न –19 त्याग का अनुपात और लाभ का अनुपात में अंतर स्पष्ट कीजिए।

What is the difference between sacrificing ratio and Gaining ratio.

अथवा OR

आनंद व रोहित साझेदार है जो क्रमशः 3/5 व 2/5 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उनका चिट्ठा इस प्रकार है।

चिट्ठा

Liabilities	**Amount (Rs.)**	**Assets**	**Amount (Rs.)**
Creditor (लेनदार)	2500	रोकड शेष	500
Capital A/c (पूंजी खाते)		देनदार 2500	
आनंद – 8000		(–) संचिति 500	2000
रोहित – 3500		स्कंध	3500
	11,500	यंत्र	4500
		भवन	3500
	14,000		**14,000**

उन्होंने निम्नलिखित शर्तों पर सुनील को साझेदारी में प्रवेश दिया –

अ) भवन का मूल्य 1,500 रू. से बढ़ाना है।

ब) यंत्र का मूल्य 1,000 रू. से घटाया है।

स) नई फर्म की पुस्तकों में 2,000 रू. से ख्याति खाता खोला जाये।

द) सुनील लाभ में 1/5 हिस्सा पाने हेतु यथेष्ट पूँजी लायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं साझेदार के पूँजी खाते बनाइए।

Anand and Rohit are partners who divide profit in the ratio of 3/5 : 2/5 respectively. Their balance sheet is as under –

Liabilities	Amount (Rs.)	Assets	Amount (Rs.)
Creditor	2500	Cash balance	500
Capital A/c		Debtors 2500	
Anad 8000		(-) Reserve 500	2000
Rohit 3500	11,500	Stock	3500
		Machinery	4500
		Building	3500
	14,000		**14,000**

They admitted sunil as a partner subject to the following conditions

(a) Value of building is to be appreciated by Rs. 1500.

(b) Value of machinery is to be depreciated by Rs. 1000.

(c) Good will account is to be opened in the books of the new firm for Rs. 2000.

(d) Sunil will bring required capital for 1/5th share.

Prepare revaluation account and partner's capital account.

प्रश्न –20 स्थायी पूँजी खाता एवं परिवर्तनशील पूँजी खाता में अंतर बताइये।

Distinguish between fixed capital account and fluctuating capital account.

अथवा OR

श्री भट्ट, दवे और जोशी 4 : 3 : 3 अनुपात में लाभ हानि बांटते थे। 31 दिसंबर 2005 को उनका चिटठा निम्नानुसार था

चिटठा

दायित्व	राशि	सम्पत्तियां	राशि
लेनदार	15,000	बैंक में रोकड़	10,000
पूँजी खाते		देनदार 10,000	
श्री भट्ट – 40,000		संचिति –500	9500
दवे – 30,000		रहतिया	20,000
जोशी – 20,000	90,000	भवन	57,000
		विनियोग	8,500
	1,05,000		**1,05,000**

दवे अवकाश ग्रहण करता है। उसे देय राशि की गणना के पूर्व निम्न समायोजन की सहमति होती है।

अ) स्टॉक को 2,500 रू. में ह्रासित किया जाता है।

ब) देनदारों पर संचिति को 10% तक बढ़ाना है।

स) भवन में 20% की अभिवृद्धि करना है।

द) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन 18,000 रू. पर किया गया है।

उपयुक्त व्यवस्था को प्रभावी बनाते हुए पुनर्मूल्यांकन खाता एवं पूँजी खाता तैयार कीजिए।

Shri Bhatt, Dave and Joshi distributed profit in 4 : 3 : 3 on 31st December 2005, Their balance sheet was as under -

Balance Sheet

Liabilities	**Amount**	**Assets**	**Amount**
Creditors	15,000	Cash in hand	10,000
Capitals		Debtors 10,000	
Bhatt 40,000		Reserve 500	9,500
Dave 30,000		Stock	20,000
Joshi 20,000	90,000	Building	57,000
		Investment	8,500
	1,05,000		1,05,000

Dave retires, Following adjustment were agreed upon before calculating the amount payable to him -

(i) Stock is to be despreciated by Rs. 2500

(ii) Reserve on debtors is to be increased to 10%

(iii) Building to be appreciated by 20%

(iv) Goodwill of the firm valued at Rs. 18,000.

Implementing the above adjustment prepare revaluation account and capital account.

प्रश्न –21 निम्न पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :–

1. विभाजन योग्य लाभांश
2. लाभांश
3. अंतरिम लाभांश
4. अंतिम लाभांश

Write short notes on :-

(i) Divisiable dividend

(ii) Dividend

(iii) Interim dividend

(iv) Final dividend

अथवा OR

अनुसूची–VI भाग–I के अनुसार उर्ध्वाधर रूप में चिटठे् का प्रारूप प्रदर्शित कीजिए।

Give the format of vertical from of balance sheet of the company as per (Vi Prat -I) schedule.

प्रश्न –22 समता अंश तथा पूर्वाधिकार अंशों में अंतर बताइये :–

Differentiate between equity Share and preference shares.

अथवा OR

आर. लि. ने एक मशीन 39,600 रू. में नीलम ट्रेडर्स से खरीदी जिसका भुगतान 10 रू. वाले अंशों में किया गया। निम्न दशाओं में पंजी प्रविष्टियां बनाइये :–

(1) जब अंश 10 प्रतिशत प्रीमियम पर निर्गमित किये गए।

(2) जब अंश 10 प्रतिशत कटौती पर निर्गमित किये गए।

R. Ltd. Purchased a machinery from Neelam Traders worth Rs. 39,600/- which payment made by shares of Rs. 10 each. Make Journal entries in are following condition -

(i) When Shares are issued at 10% premium.

(ii) When Shares are issued at 10% discount.

प्रश्न –23 पूर्वाधिकार अंशों के विभिन्न प्रकारों को समझाइए।

Explain about different type of preference shares.

अथवा OR

मोहित लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 2,00,000 रू. वाले 20,000 अंशों में विभाजित है कम्पनी ने 10,000 रू. समता अंश निर्गमित किए तथा जनता से 8,000 अंशों के लिए आवेदन पत्र प्राप्त हुए। राशियां इस प्रकार से देय है – 2 रू. आवेदन पर, आबंटन पर 3 रू. प्रति, 2 रू. प्रथम याचना पर तथा 3 रू. द्वितीय याचना पर। मोहन लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियां कीजिए।

The authorised capital of Mohit Ltd. was Rs. 2,00,000 divided into 20,000 equity Shares of 10 each out of which 10,000. Shares were issued to public and applications received for 8,000 Shares. The share money payble as Rs. 2 on application Rs. 3 on allotment, Rs. 2 on first call and Rs. 3 on second and final call. Pass Journal entries in the books of Mohit Ltd.

प्रश्न –24 पुर्नमूल्यांकन खाता तथा वसूली खाते में अंतर स्पष्ट कीजिए –

Differentiate between realistion account and revaluation account.

अथवा OR

आनंद और सोहल एक फर्म में साझेदार है और उनकी पूँजियां 80,000 रू. तथा 60,000 रू. है। लेनदार 45,000 के हैं। फर्म की परिसम्पत्तियों से 1,95,000 रू. वसूल हुए।

वसूली खाता, साझेदारों का पूँजी खाता तथा बैंक खाता बनाइए।

Anand and Sohal are partners in a firm and their capital are Rs. 80,000 and Rs. 60,000 respectively. The Creditors are Rs. 45,000. The assets of the firm realised Rs. 95.000. Prepare realisation account, partner's capital account and bank account.

……..…..xxx……

आदर्श उत्तर

बहीखाता एवं लेखाकर्म

उत्तर–1 सही विकल्प का चुनाव कीजिए :–

(अ) प्रेषक (ब) ऐच्छिक (स) ऋणपत्रधारी

(द) कम हो (इ) इनमे से कोई नहीं

Choose the correct answers :-

(i) Consignor (ii) Voluntary (iii) Debenture holder

(iv) None of the above

उत्तर–2 खाली स्थान भरिये –

1) लाभ 2) नाम मात्र 3) साझेदारों

4) शोधन 5) अधिलाभ

Fill in the blanks -

(i) Profit (ii) Nominal (iii) Partners

(iv) Paid (v) Super Profit

उत्तर–3 सही जोड़ियां बनाइए :–

''अ''		''ब''
(i) ऋण पत्र धारी को	–	मताधिकार प्राप्त नही होता है।
(ii) स्थानीय ख्याति	–	बिल्ली के स्वभाव वाली ख्याति
(iii) असमान्य हानि	–	माल का चोरी होना।
(iv) वसूली खाता	–	फर्म के समापन पर खोला जाता है।
(v) पूर्नमूल्याकन खाता एक	–	वास्तविक खाता है।

Match the following :-

"A"		"B"
(i) Debenture holder	-	Not entitled to give vote
(ii) Place good will	-	Nature of Cat
(iii) Abnormal Loss	-	Loss by theft
(iv) Realization account	-	Open at the time of dessolution of firm
(v) A revaluation A/c is	-	Real A/c

उत्तर–4 सत्य / असत्य :–

(1) सत्य

(2) सत्य

(3) सत्य

(4) सत्य

(5) असत्य

True / False :-

(i) True

(ii) True

(iii) True

(iv) True

(v) False

उत्तर–5 एक शब्द में उत्तर दीजिए :–

(1) साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर

(2) जस्टिस जायंश

(3) एक बार

(4) ऐजेन्ट / प्रेषणी

(5) परिवर्तनशील ऋण पत्र

Answer in one word or sentence :-

(i) When partners retires from firm

(ii) Justice Jayansh

(iii) One time

(iv) Consignee

(v) Convertible debenture

उत्तर–6 (1) **सुरक्षित ऋणपत्र** :– जब कम्पनी अपनी सम्पत्ति बंधक रखकर ऋणपत्र निर्गमित करती है तो ऐसे ऋणपत्र सुरक्षित ऋणपत्र कहा जाता है।

(2) **असुरक्षित ऋणपत्र** :– ऐसे ऋणपत्र जिनके भुगतान स्वरूप कोई सम्पत्ति रक्षित या बंधक नही रखी जाती है।

(i) Secured Debenture :- The debenture that are issued against the security, Some specific or all the assets of the company are known as secured debentures.

(ii) Unsecured Debenture :- Such debentures are not issued Against the security of the assets of the company. They are known as simple or unsecured debentures.

अथवा

OR

Journal Entries in The Books of Company

Date	**Particulars**	**L.F.**	**Amount Dr.**	**Amount Cr.**
1.	Bank a/c Dr. To 6% Debenture a/c (Being amount of 4000 deb. Received)		20,000	 20,000
2.	6% Debenture application a/c Dr.		20,000	

	To 6% Debentures a/c (Being application amount transferred)			20,000
3.	6% Debenture allotment a/c To 6% Debenture a/c (Being amount of 4,000 debenture due)		40,000	 40,000
4.	Bank a/c To 6% Debenture allotment a/c (Being allotment of 32,000 debenture received)		32,000	 32,000

उत्तर–7 **<u>विश्लेषण</u> :–** यह विश्लेषण दो अवधियों के मध्य रोकड के स्त्रोतों तथा रोकड़ के उपयोगों का बोध कराता है, और दो स्थिति विवरणों की तिथियों के मध्य रोकड़ में हुए परिवर्तनों के कारणों का विश्लेषण करता है।

<u>Analysis :-</u> Cash flow analysis shows inflows and outflows of cash in a concern during a particular accounting period.Cash means cash and equivalents, while flow means movement of cash.

अथवा

OR

समविच्छेद बिंदु वह बिन्दु होता है जहां कुल लागत कुल विक्रय के लगभग बराबर होता है। अर्थात कुल लागत = कुल आगम।

इस बिन्दु पर न तो लाभ होता है न ही हानि, इस बिन्दु को ''लाभ–हानि'' बिन्दु कहा जाता है।

The term breakeven point refers to that point at which the total cost are just equal to total sales. A business concern neither earns nor saffers a loss at this point - It is also called neutral point.

उत्तर–8 वित्तीय विवरणों के विश्लेषण की विशेषताएं :–

(1) वित्तीय विवरणों में दिए गए जटिल अंको को सरल रूप में प्रस्तुत करना।

(2) वित्तीय विवरणों को मदों की उचित एवं स्पष्ट वर्गों में विभाजित करना।

The characters are :-

(i) To represent the complex data present in financial statements

(ii) To divide the various items of financial statements under clear and appropriate heads.

अथवा

OR

चालू दायित्वों के अन्तर्गत मुख्य रूप से निम्न मदें सम्मिलित होती है –

1) लेनदार 2) देयबिल 3) अदत्त व्यय

4) बैंक ऋण 5) बैंक ओवर ड्राफ्ट 6) अग्रिम प्राप्त आय

7) कर हेतु प्रावधान 8) देय विपत्र आदि।

Current liabilities are :-

(i) Trade Creditors (ii) Bills to be paid

(iii) Creditors for expenses or out standing expenses.

(iv) Bank loan (v) Bank Overdraft

(vi) Income received in advance (vii) Provision Tax

(vii) Bills payable a/c.

उत्तर–9 चालू अनुपात चालू देयताओं से चालू परिसम्पत्तियों के संबंध को बतलाता है। जबकि त्वरित अनुपात चालू देयताओं से त्वरित परिसम्पत्तियों के संबंध को बतलाता है।

Current ratio shows the relationship between current assets and current liabilities, Quick ratio show the relationship between liquid assets and current liabilities.

अथवा

OR

क्रियाशीलता अनुपातों के माध्यम से यह माप किया जाता है कि संस्था ने उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक एवं लाभप्रद ढंग से उपयोग किया या नहीं। इन अनुपातों की गणना विक्रय या विक्रय की लागत तथा विभिन्न परिसम्पत्ति – स्टॉक देनदार आदि के आधार पर की जाती है।

Solvency means the ability of an enterprise to meet its long term obligations and thus solvency ratio reveals an enterprise ability to meet the long term indebtness.

उत्तर–10 **रोकड़ प्रवाह :–** रोकड़ प्रवाह दो शब्दों से बना है। रोकड़ तथा प्रवाह। रोकड़ शब्द का अभिप्राय रोकड़ शेष तथा बैंक शेष से होता है। जबकि 'प्रवाह' शब्द का तात्पर्य परिवर्तन या गतिशीलता से है।

Cash Flow :- In the cash flow statement there is a combination of two words 'Cash' and 'Flow' the meaning of the word cash is cash balance of bank also. The word Flow refers to the change or movement.

अथवा

OR

रोकड़ के प्रमुख स्त्रोत :–

(1) रोकड़ के बदले अंशपत्रों का निर्गमन

(2) दीर्घकालिक ऋण उठाना

(3) गैर चालू परिसम्पत्तियों का विक्रय

(4) गैर प्रचालन आय

The major Source of cash :-

(i) Issue of eauity and proference shares for cash.

(ii) Raising of long lerm debts.

(iii) Sale of fixed assets in cash.

(iv) Non operating incomes

उत्तर–11 **<u>वित्तीय विवरणों के विश्लेषण का महत्व :–</u>**

1. प्रबंधकों के लिए
2. निवेशकों के लिए
3. ऋणदाताओं के लिए महत्व
4. सरकार के लिए महत्व
5. वित्तीय संस्थानों के लिए महत्व
6. अन्य पक्षों के लिए महत्व

Financial analysis is usually :-

(i) Significant to the management

(ii) Significant for investors

(iii) Significance for creditors and debenture holders

(iv) Significance for Government

(v) Significance for Financial Institution

(vi) Significance for others

अथवा
OR

<u>तुलनात्मक आय विवरण :–</u>

	विवरण	2006	2007	पूर्णपरिवर्तनीय राशि रू.	परिवर्तन प्रतिशत में
अ.	विक्रय	2,00,000	3,00,000	1,00,000	50%
ब.	(घटाइये) बेचे गये माल की लागत	1,20,000	2,10,000	90,000	75%
स.	सकल लाभ (A + B = C)	80,000	90,000	10,000	12.50%
द.	घटाइये अप्रत्यक्षव्यय	40,000	36,000	4,000	–10%
इ.	कर के पूर्व का शुद्ध लाभ (C - D = F)	40,000	54,000	14,000	35%
ई.	घटाइये आयकर	20,000	27,000	7,000	35%
उ.	कर के पश्चात् का शुद्ध लाभ (E-F = G)	20,000	27,000	7,000	35%

Solution :-

Comparative Income Statement

Particulars	**2006**	**2007**	**Amount Change**	**% Change**
Sales	2,00,000	3,00,000	1,00,000	50%
Less Cost of goods sold	1,20,000	2,10,000	90,000	75%
Gross profit	80,000	90,000	10,000	12.50%
Less Indirect Exp.	40,000	36,000	4,000	10%
Profit before Tax	40,000	54,000	14,000	35%
Less Income tax	20,000	27,000	7,000	35%
	20,000	27,000	7,000	35%

उत्तर–12 शुद्ध लाभ तथा प्रचालन के मध्य अंतर :–

अन्तर आधार	**शुद्ध लाभ**	**प्रचालन से प्राप्त रोकड़**
1, अर्थ	व्यावसायिक क्रियाओं के फलस्वरूप लेखांकन वर्ष के दौरान जो परिणाम प्राप्त होता है, उसे शुद्ध लाभ कहते है।	प्रचालन क्रियाओं के फलस्वरूप कार्यशील पूँजी के प्रवाह प्रचालन से प्राप्त रोकड़ कहलाता है।
2. गैर–रोकड प्रचालन	गैर रोकड़ प्रचालन मदों को ध्यान में रखते हुए शुद्ध लाभ की गणना की जाती है।	प्रचालन से प्राप्त रोकड़ की गणना के लिए गैर रोकड़ मदों को छोड़ दिया जाता है। ये केवल पुस्त प्रविष्टि को निरूपित करता है।
3. गैर प्रचालन मदें	गैर–प्रचालन मदों को ध्यान में रखने के बाद ही लाभ की गणना की जाती है।	प्रचालन से प्राप्त रोकड़ की गणना के लिए गैर–प्रचालन मदों को छोड़ दिया जाता है। क्योंकि ये मदें प्रचालन क्रियाओं से संबंधित नहीं होती हैं।

Difference between Net profit and Operating Activities.

Basis of Difference	Net Profit	Cash from operating activities
1. Meaning	The profit rising from the business from action of an accounting year is called net profit	Cash received from the revenue producing activities of the firm called operating activities.
2. Non-cash transactions	Non-cash transaction are taken while calculating net profit	while calculating cash from operation non cash transaction are left out
3. Non-operating items	Non-operating items are kept in mind while calculating net profit	While calculating cash from operation, non-operating item are left because they are not related with operating activities

अथवा

OR

हल :–

विवरण	राशि (रू.)	राशि (रू.)
(अ) वर्ष 2002 का लाभ	–	25,000
(ब) जोड़ा – पूर्वदत्त व्यय में कमी	500	
अदत्त व्यय में वृद्धि	2000	2500
(स) घटाया – देनदारों में वृद्धि	3000	
लेनदारों में कमी	2000	5,000
(द) प्रचालन से प्राप्त रोकड (अ+ब – स)		
		22,500

Solution :- Fund for operation activities

Particulars	Amount Rs.	Amount Rs.
(a) Profit of The year	-	25,000
(b) Add – Decrease in prepaid expenses	500	
Increase in out standing exp.	2000	2500
(c) Less – Increase in Debtors	3000	
Decrease in Creditors	2000	
(d) Cash flow from operating activities		5,000
		22,500

उत्तर–13 कोष प्रवाह विवरण और रोकड़ प्रवाह विवरण में अंतर :–

अंतर का आधार	कोष प्रवाह विवरण	रोकड़ प्रवाह विवरण
1. अर्थ	कोष प्रवाह विवरण एक ऐसा विवरण है जो कोष के अन्तवृद्धि तथा बाह्य बहि व्यवसाय की वित्तीय स्थिति में परिवर्तन को दर्शाता है।	रोकड़ प्रवाह विवरण है जो रोकड़ के अन्तर्वाह तथा बाह्य बहि व्यवसाय से रोकड स्थिति में परिवर्तन को प्रदर्शित करता है।
2. विस्तार	इस विवरण का संबंध कार्यशील पूंजी के समस्त घटकों से होता है।	इस विवरण का संबंध कार्यशील पूंजी के केवल एक घटक अर्थात रोकड से होता है।
3. परिमाण एवं दिशा	इस विवरण से कार्यशील पूॅजी में परिवर्तनों के परिणाम व दिशा का पता चलाया जा सकता है।	इस विवरण से केवल रोकड़ में परिवर्तनों के परिणाम व दिशा का पता लगता है।

4.लेखांकन आधार	इस लेखांकन की वाणिज्यिक अवधारणा के आधार पर तैयार करते हैं।	यह विवरण लेखांकन की रोकड़ अवधारणा पर आधारित है।
5. नियोजन अवधि	यह विवरण दीर्घकालीन वित्तीय नियोजन के लिये उपयोगी है।	यह विवरण अल्प कालीन वित्तीय नियोजन हेतु उपयोगी है।

The difference between flow and fund flow statement is :

Basis different	**Flow statement**	**Fund statement**
1. Meaning	It is statement that shows in flows and out flows of cash in concern during a particular accounting period	It is a tool of financial analysis that explains the changes in working capital
2. Statement of Changes working in capital	No such schedule or statement is required in cash flow statement	A statement or schedule of changes in working capital is prepared separately
3. Concept	It is based on narrow concept of fund cash	It is based on under the concept of funds.
4. Explanation of causes	Cash flow statement depicts the causes of changes in the balance of cash and cash equivalents	Fund flow statement studies the causes of changes in working capital
5. Basis of accounting	It follows cash basis of accouting	It follows accured basis of accounting

अथवा

OR

<u>हल :–</u> संचालन क्रियाओं द्वारा रोकड़ प्रवाह की गणना :

विवरण	राशि रू.	राशि रू.
शुद्ध लाभ (2,00,000 – 1,00,000)		1,00,000
+ गैर संचालन व्यय		
भवन पर ह्रास	60,000	
मशीन पर ह्रास	10,000	
– गैर संचालन आय		70,000
चालू सम्पत्तियों में कमी एवं चालू दायित्वों में वृद्धि	2,000	
देनदार		2,000
चालू सम्पत्तियों में वृद्धि एवं चालू दायित्वों में कमी		1,72,000
स्टाक	21,000	
लेनदार	10,000	
देय बिल	1,000	32,000
संचालन क्रियाओं के द्वारा रोकड़ प्रवाह है।		1,40,000

Solution : Cash flow from operating activities -

Particulars	Amount Rs.	Amount Rs.
Cash flow from operating activities		1,00,000
Net profit (2,00,000 – 1,00,000)		
Add – Non-operating expenses		
Depreciation on building	60,000	
Depreciation of Machine	10,000	70,000
Less – Non operating Income		
Decreasing Current Assets		
and current liabilities	2,000	
Creditors		2,000
Increase in Assets and decrease in liabilities -		1,72,000
Stock	21,000	

Creditors Bills payble	10,000 1,000	 32,000
Cash flow by operating activities		1,40,000

उत्तर–14 अंशधारी एवं ऋणपत्र धारी में अंतर :–

अंतर बिन्दु	अंशधारी	ऋणपत्रधारी
हॅसियन	अंशधारी कम्पनी का स्वामी होता है।	ऋणपत्र धारी कम्पनी का लेनदार होता है।
प्रतिफल	अंशधारी कम्पनी के लाभों में प्रतिफल स्वरूप लाभांश प्राप्त करता है। कम्पनी को लाभ होने पर ही लाभांश दिया जाता है।	ऋणपत्रधारी ऋण की राशि पर प्रतिफल स्वरूप ब्याज प्राप्त करता है। ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान प्रत्येक दशा में किया जाता है। चाहे कम्पनी को लाभ हो अथवा हानि।
समापन पर वापसी	कम्पनी के समापन पर अंशधारियों की पूॅजी सबसे अंत में वापस की जाती है।	कम्पनी का समापन होने पर ऋण पत्र धारियों को पहले भुगतान किया जाता है।

The difference Share holder and Debenture holder :

Basis	Share holder	Debenture holder
Ownership	They are the owner of the company	They are the creditors of the company
Remuneration	They receive dividend	They recieve interest
Repayment	It is repaid at the end	It is repaid first
Right	Shares a part of capital	Debenture is not a part of capital
Control	They have the right to	They have no right to

	control the affairs of company	control ordeal the affairs of the company

अथवा
OR

तिथि	विवरण	खाता पृ.	राशि रू.	राशि रू.
1.	बैंक खाता वि.लं 9% ऋणपत्र आवेदन खाता से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर		20,000	 20,000
2.	9% ऋणपत्र आवेदन खाता वि.लं. 90% ऋणपत्र खाता से (आवेदन राशि अंतरित करने पर)		20,000	 20,000
3.	9% ऋणपत्र आबंटन खाता वि.लं. 90% ऋणपत्र खाता से 9% ऋणपत्र प्रीमियम खाता से (प्रीमियम सहित आबंटन राशि देय होने पर)		50,000	 40,000 10,000
4.	बैक खाता वि.लं. 90% ऋणपत्र आबंटनखाता से (आबंटन राशि प्राप्त होने पर)		50,000	 50,000
5.	9% ऋणपत्र प्रथम व अंतिम याचना खाता वि.लं. 90% ऋणपत्र खाता से (प्रथम व अंतिम राशि प्राप्त होने पर)		40,000	 40,000
6.	बैंक खाता वि.लं. 90% ऋणपत्र प्रथम व अंतिम याचना खाता से (अंतिम याचना राशि प्राप्त होने पर)		40,000	 40,000

7.	ऋण पत्र निर्गमन व्यय खाता वि.लं. बैंक खाता से (निर्गमन व्यय का भुगतान करने पर		400	 400
8.	9% ऋणपत्र प्रीमियम खाता वि.लं. ऋणपत्र निर्गमन व्यय खाता से पूँजी संचय खाता से (व्यय का अपलेखन तथा शेष प्रीमियम राशि पूँजी संचय में अंतरित करने पर)		10,000	 400 9600

Journal Entries :-

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Bank a/c Dr. To 9% Debenture Appl. a/c (Being App. amount of 5000 Rept. received)		20,000	 20,000
2.	9% Debenture APP a/c Dr. To 9% Debenture a/c (Being application on amount transferred)		20,000	 20,000
3.	9% Debenture Allotment a/c Dr. To 9% Debenture a/c To Premium on Debe. a/c (Being allotment of Premium amount transferred)		50,000	 40,000 10,000
4.	Bank a/c Dr. To 9% debenture allotment (Being allotment of premium amount received)		50,000	 50,000

5.	9% Debnture frist Final call a/c Dr. To 9% Debenture a/c (Being final call due)		40,000	 40,000
6.	Bank a/c Dr. To 9% Debenture first and Final a/c (Being final call amount received)		40,000	 40,000
7.	Expenses on issue of 9% debenture a/c Dr. To Bank a/c (Being expenses paid)		400	 400
8.	9% Debenture Premium a/c Dr. To 9% Debenture Expenses a/c To Capital Reserve a/c (Being balance of premium amount transferred to Capital Reserve)		10,000	 400 9600

उत्तर–15 **परिवर्तनशील ऋणपत्र :–** वे ऋणपत्र जिन्हें एक निश्चित अवधि में अंशों में परिवर्तित करने की छूट होती है, परिवर्तनशील ऋणपत्र कहलाते हैं। परिवर्तनशील ऋणपत्रों को अंशों में परिवर्तित करने के लिए पूर्व निर्धारित शर्तो को पूरा करना आवश्यकत है।

अ**परिवर्तनशील ऋणपत्र** :– वे ऋणपत्र जिन्हें अंशों में परिवर्तित नहीं किया जा सकता, अपरिवर्तनशील ऋणपत्र कहलाते है।

Convertible debentures :- The debentures which may be converted into equity shares or preference shares after a certain period of time are convertible debentures. Before conversion holders have to fulfill some pre-determined conditions.

Non - Convertible debentures :- The debentures which can't be

converted into shares are non – convertible debentures

अथवा

OR

Journal Entries in the book of Tripti Ltd. :-

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	15% Debenture a/c Dr. (15% ऋणपत्र खाता) Premium on redemption of debenture a/c Dr. To Debenture holder a/c (Being the amount due to debenture holds)		2,00,000 50,000	 2,50,000
	Debenture holder a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (Being issued 25,000 equity share Rs. 10 each at per on conversion of 2000 debenture)		2,50,000	2,50,000

उत्तर–16 **<u>अंशो का हरण :–</u>** अंशो का हरण से आशय अंशों के रद्द करने से है। जब कोई अंशधारी कम्पनी द्वारा मांगी गई राशि का भुगतान करने में असफल रहता है, तो कम्पनी ऐसे अंशधारी को पत्र के माध्यम से देय राशि का भुगतान करने की याद दिलाती है। यदि अंशधारी इस पत्र के बाद भी देय राशि का भुगतान नहीं करता तो कम्पनी ऐसे अंशधारी को 14 दिन का स्पष्ट नोटिस देकर देय राशि ब्याज सहित निर्धारित तिथि तक भुगतान करने के लिए कहती है बशर्ते कम्पनी को पार्षद अर्न्तनियम द्वारा इस प्रकार का अधिकार प्राप्त हो। इस प्रकार की सूचना के बाद भी यदि अंशधारी देय राशि का भुगतान नही करता है तो इस आंबटित अंशों को जब्त कर लिया जाता है।

Share holders Fails :- If any share holder fails to pay the amount due on allotment or calls within a specified period. The company may cancel them and the amount paid is taken over by the company. This is called foreiture of share –

The following conditions must be satisfied for the forfeiture of share –

1) The power to forfeiture must be given in the Articles of Association.
2) If the procedure of forfeiture is not given in the articles, table 'A' should be followed.
3) There should be default in payment of any allotment or call money by the shareholder.
4) Notice must be given to the respective shareholder for 14 days in advance.
5) The Board of Directors must pass a resolution for such for feiture.

अथवा

OR

हल :–

तिथि	विवरण	प्र. पृ.	राशि रू. विक	राशि रू. समा.
1.	अंशपूँजी खाता वि.लं अंश आबंटन खाता से अंश हरण खाता (आबंटन राशि प्राप्त न होने के कारण 500 अंशों का हरण)		5,000	 2,000 3,000

Solution :- **Journal Entries in the books of Tripti Ltd.**

Date	Particulars	L.F.	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Share Capital a/c Dr. To Share allotment a/c To Share forfeited (Being 500 shares forfeited)		5,000	 2,000 3,000

उत्तर–17 कभी–कभी फर्म में अनुभवी था कुशल कर्मचारी को साझेदार बना लिया जाता है। जिससे कि फर्म को ऐसे कर्मचारी के अनुभव व कुशलता का भरपूर लाभ मिल सके। ऐसे साझेदार को फर्म के लाभ में थोड हिस्सा दिया जाता है। फर्म को होने वाला लाभ निश्चित नहीं होता, हो सकता है किसी वर्ष बहुत अधिक लाभ हो या किसी वर्ष लाभ की मात्रा बहुत कम हो। कम लाभ होने पर ऐसे साझेदार को मिलने वाले लाभ का हिस्सा इसको दिये जाने वाले वेतन से कम भी हो सकता है। अतः इस स्थिति में सभी साझेदार या उनमें से किसी एक साझेदार द्वारा ऐसे नये साझेदार को यह आश्वासन दिया जाता है कि उसको मिलने वाला लाभ अमुक राशि से कम नही होगा। इस प्रकार दिये गये आश्वासन के लाभ को गारन्टी कहा जाता है।

Sometimes old partners give guarantee to the new partner that he will continue to get at least a certain minimum amount by way of profit in future years. In case hd gets less profit than the guaranteed amount in any year, the deficiency will be made good by the guarantor partners. It can also be provided in the agreement. That if the profits in future are more then the new partner will be entitled to get more than the guaranteed amount. He will have to compensate the old partners out of his excess share for the past sacrifices made by the guarantors.

अथवा

OR

हल :– **Profit and loss Appropriation Account**

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To interest on Capital a/c		By Balances b/d	1,23,000
Mohan - 36,000			
Mohit - 24,000	60,000		
To Commission			
To Ramesh	6150		
To Partner Capital a/c			
Mohan - 3553.25			
Mohit - 21318.75	56,850		
	1,23,000		**1,23,000**

Distribution of profit in the ratio of 5 : 3

Mohan = 56850 x 5/8 = 3553.25

Mohit = 56850 x 3/8 = 21318.75

उत्तर–18 प्रेषण एवं विक्रय में अंतर :–

अंतर बिन्दु	प्रेषण	विक्रय
स्वामित्व	प्रेषण पर भेजे गये माल पर स्वामित्व का अधिकार प्रेषक का होता है।	माल विक्रय के पश्चात् माल का स्वामित्व क्रेता को हस्तांतरित हो जाता है।
जोखिम	प्रेषण और प्रेषणी के मध्य प्रधान और अभिक्रती का संबंध होता है।	विक्रय के पश्चात् माल से संबंधित समस्त जोखिम क्रेता का होता है।
माल की वापसी	विक्रय न होने पर माल वापस प्रेषणी द्वारा प्रेषण को वापस कर दिया जाता है।	माल विक्रय के पश्चात् क्रेता एवं विक्रेता से लेनदार एवं देनदार का संबंध बन जाता है।
पारिश्रमिक	प्रेषणी विक्रय के बाद कमीशन मिलता है।	विक्रय से क्रेता माल का स्वामित्व एवं विक्रेता माल का मूल्य प्राप्त करता है।

व्यय	समस्त प्रकार के व्ययों का भुगतान प्रेषक करता है।	समस्त प्रकार के व्यय विक्रय के पश्चात् क्रेता करता है।
बीजक	कच्चा बिल बनाया जाता है।	पक्का बिल बनाया जाता है।

उत्तर–19 त्याग अनुपात और लाभ–प्राप्ति अनुपात में अंतर :–

अंतर का आधार	त्याग अनुपात	लाभ–प्राप्ति अनुपात
आशय	नये साझेदार के पक्ष में पुराने साझेदार अपने–अपने हिस्से का जिस अनुपात में त्याग करते हैं उस अनुपात को त्याग अनुपात कहते हैं।	किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण करने या मृत्यु हो जाने पर शेष साझेदारों के लाभ के हिस्सों में वृद्धि हो जाती है। जिस अनुपात में यह वृद्धि होती है उस अनुपात को लाभ–प्राप्ति अनुपात कहा जाता है।
गणना का समय	त्याग अनुपात की गणना किसे नये साझेदार के प्रवेश पर की जाती है	लाभ–प्राप्ति अनुपात किसी साझेदार के आवकाश ग्रहण करने या मृत्यु हो जाने पर ज्ञात किया जाता है।
आवश्यकता	पुराने साझेदार नये साझेदार से ख्याति का भुगतान प्राप्त करते हैं । यह भुगतान वे उसी अनुपात में प्राप्त करते हैं जिस अनुपात में उन्होंने अपने हिस्से का त्याग किया है	अवकाश प्राप्त या मृतक साझेदार के हिस्से की ख्याति का समायोजन करने के लिए लाभ प्राप्ति अनुपात ज्ञात करना आवश्यक होता है।

अनुपात में कमी या वृद्धि	त्याग अनुपात से पुराने साझेदारो का लाभ अनुपात कम हो जाता है।	अवकाश प्राप्त या मृतक साझेदार के हिस्से की ख्याति का समायोजन करने के लिये लाभ प्राप्ति अनुपात ज्ञात करना आवश्यक है।
गणना विधि	पुराने अनुपात से नया अनुपात घटाकर त्याग अनुपात ज्ञात किया जाता है – पुराना अनुपात नया अनुपात – त्याग अनुपात होता है।	नये अनुपात से पुराने अनुपात घटाकर लाभ प्राप्ति अनुपात ज्ञात किया जाता है – नये अनुपात – पुराना अनुपात – लाभ प्राप्ति अनुपात होता है।

हल :– **Revaluation Account**

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Machinary a/c	1000	By Building a/c	1500
To Partners Capital a/c			
Anand 300			
Rohit 200	500		
	1500		**1500**

Partners Capital a/c

Particulars	Anand	Rohit	Sunil	Particulars	Anand	Rohit	Sunil
To Balance c/d	9500	4500	3500	By Balance b/d	8000	3500	-
				By Cash	-	-	3500
				By Revaluation a/c	300	200	
				By Good will			
					1200	800	
	9500	**4500**	**3500**		**9500**	**4500**	**3500**

उत्तर–20 स्थाई पूँजी खाता एवं परिवर्तनशील पूँजी में अन्तर :–

अंतर का आधार	स्थाई पूँजी	परिवर्तनशील पूँजी
पूँजी का लेखा	इस खाते में केवल पूँजी का ही लेखा किया जाता है।	जबकि इसमें पूँजी के अलावा अन्य लेन–देन जैसे–ब्याज, आहरण, लाभ आदि को भी लिखा जाता है।
शेष	इस खाते का शेष सदैव क्रेडिट रहता है।	जबकि इस खाते का शेष डेबिट भी हो सकता है।
स्थिरता	इस खाते की पूँजी सदैव स्थिर रहती है।	इस खाते में पूँजी परिवर्तित होती रहती है।
चालू खाता	इस पद्धति के अनुसार पूँजी खाते रखने पर पूँजी खाते के साथ–साथ चालू खाता भी रखना पड़ता है।	इस पद्धति केअनुसार पूँजी खाते रखने पर पूँजी खाते के साथ–साथ चालू खाता रखने की आवश्यकता नहीं होती है।

अथवा OR

Revaluation Accounts (पूर्नमूल्यांकन खाता)

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Stock a/c	2,500.00	By Building a/c	11,400.00
To Reserve for bad debits	500.00		
To Partners Capital a/c			
Bhatt - 3360			
Dave - 2520			
Joshi - 2520	8,400.00		
	11,400.00		**11,400.00**

Partners Capital a/c (साझेदारों के पूंजी खाते)

Liabilities दायित्व				Assetes सम्पत्तियां			
To Balance b/d			50560	By Balance b/d	40,000	30,000	30,000
To Balanced b/d	50560	37920	37920	By Revaluation	3360	2520	2520
				By Good will a/c	7200	5400	5400
	50560	**37920**	**37920**		**50560**	**50560**	**37920**

प्र.21 संक्षिप्त टिप्पयां –

(1) विभाजन योग्य लांभाश :– विभाजन योग्य लाभांश की उस राशि से है, जो वैधानिक रूप से अंशधारियों को बॉटे जाने के लिये उपलब्ध है। कम्पनियों द्वारा अंशधरियों में लाभांश का विभाजन उसी दशा में किया जाता जब लाभ की राशि कम्पनी के समस्त व्ययों हानियों स्थायी सम्पत्तियों के ह्रास, पुरानी क्षतियों के अपलेखन, समस्त कर के भुगतान तथा विभिन्न संचयों में उचित हस्तांतरण के बाद बच गयी हो। विभाजन योग्य लाभांश में स्थायी सम्पत्ति के पुर्नमूल्यांकन से लाभ या पूॅजीगत लाभ को शामिल नहीं किया जाता। यदि समस्त व्ययों का समायोजन के पश्चात लाभ की राशि नहीं बचती, तो लाभांश की घोषणा किया जाना आवश्यक नहीं है।

(2) लाभांश :– विभाजन योग्य लाभ का यह भाग जो कम्पनी के अंशधारियों में वितरित किया जाता है, लाभांश कहलाता है। लाभांश संबंधी नियम कम्पनी के अर्न्तनियमों तथा सीमा नियमों में दिये गये होते हैं। लाभांश की दर निश्चित करने तथा इसे कम्पनी की साधारण सभा में प्रस्तावित करने का अधिकार कम्पनी के संचालकों की होती है। लाभांश की राशि कम्पनी द्वारा नगद या बोनस अंश के रूप में निर्गमित की जा सकती है। लाभांश का भुगतान उसकी घोषणा की तिथि से 42 दिनों तक किया जाना अनिवार्य है।

(3) अन्तरिम लांभाश :– जब कम्पनी के संचालकों को चालू वर्ष में अनुशासित लाभ की आशा रहती है। तो वर्ष के दौरान ही अंतिम खाता बनाने से पूर्व लाभांश वितरित करते हैं। इसे हम अंतरिम लाभांश कहते हैं। कम्पनियॉ साधारण तथा अप्रत्याशित लाभ प्राप्त होने की दशा में ही अन्तरिम लाभांश की घोषणा करता है। कम्पनी पार्षद नियमों में प्रावधान होने पर ही कम्पनी अन्तरिम लाभांश की घोषणा कर सकती है। विपरीत परिस्थितियों में घोषित किये गये अन्तरिम लाभांश की वास्तविक भुगतान से पहले संचालकों द्वारा रद्द किया जा सकता है।

(4) अन्तिम लांभाश :– कम्पनी के साधारण सभा में वित्तीय वर्ष के अंत में जिस लाभांश की घोषणा की जाती है अंतिम लाभांश कहलाता है। यह लाभंश कम्पनी के संचालकों द्वारा विभाजन योग्य लाभांश में से प्रस्तावित किया जाता है तथा कम्पनी के अंशधारियों द्वारा कम्पनी के साधारण सभा में इसे स्वीकृत किया जाता है, कम्पनी के अंशाधारियों को विभाजन योग्य लाभांश का वास्तविक भुगतान किया भाग अंतिम लाभांश कहलाता है।

अथवा

अनुसूची VI भाग 1 के अनुसार उर्ध्वाधर रूप में चिट्ठे का प्रारूप

कम्पनी का नाम – स्थिति, विवरण

दिनांक.....की

विवरण	अनुसूची क्रमांक	चलू वर्ष के आंकड़े	गत वर्ष के आंकड़े
I) कोषों में स्त्रोत : 1) अंशधारियों का शेष – (अ) पूँजी (ब) संचय व अधिक्रय 2) ऋण कोष – (अ) सुरक्षित ऋण कोष (ब) असुरक्षित ऋण कोष			
कुल योग –			
II) कोषों का प्रयोग : 1) स्थायी कोष – (अ) सकल समूह (ब) घटाया ह्यस (स) शुद्ध समूह (द) पूँजी चालू कार्य 2) विनियोग – 3) चालू सम्पतियों का ऋण एवं अग्रिम (अ) संबंध (ब) विविध देनदार (स) रोकड व बैंक शेष (द) अन्य चालू सम्पत्तियाँ (इ) ऋण एवं अग्रिम			
कुल योग –			
घटाया : चालू दायित्व एवं प्रावधान (अ) दायित्व (ब) प्रावधान शुद्ध चालू सम्पत्तियां			
(4) (अ) विविध क्रय जिन्हे कि अपलिखित या समायोजित किया जाना है। (ब) लाभ–हानि खाता			
कुल योग –			

उत्तर–22 समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अन्तर :–

अंतर का आधार	समता अंश	पूर्वाधिकार अंश
1) अंश की राशि	साधारण अंश कम मूल्य वाले होत हैं।	पूर्वाधिकार अंश तुलनात्मक रूप से अधिक मूल्य वाले होते हैं।
2) मताधिकार	प्रबंधन संबंधी प्रत्येक प्रस्वाव में मत देने का अधिकार होता है।	मत देने के अधिकार केवल उन्ही प्रास्तावों में होता है जो पूर्वाधिकार अंशों के हितों में संबंधित है।
3) लाभांश की दर	कम्पनी द्वारा अर्जित लाभांश के आधार पर परिवर्तित होती है। जब कम्पनी अधिक लाभ अर्जित करती है तो लाभांश भी अधिक दिया जाता है जब कम लाभ हो तब कम लाभांश दिया जाता है।	लाभांश एक निश्चित दर से ही दिया जाता है, चाहे कम्पनी का लाभ कम हो या अधिक।
4) लाभांश में प्राथमिकता	इन्हे पूर्वाधिकार अंशधारियों को लाभांश देने बाद ही लाभांश दिया जाता है।	पूर्वाधिकार अंशधारियों को सर्व प्रथम लाभांश का भुगतान किया जाता है।
5) जोखिम	समता अंशधारियों का जोखिम अधिक होता है। कम्पनी को हानि होने पर इन्हे लाभांश के साथ पूँजी में भी प्राप्त नहीं होती।	पूर्वाधिकार अंशों में अपेक्षाकृत कम जोखिम होता है लाभांश की दर पूर्व निश्चित होती है। पूँजी वापसी में प्रार्थमिकता दी जाती है।
6) अंशपूँजी की वापसी	कम्पनी की समाप्ती पर सबसे अंत में पूँजी वापसी की जाती है।	समता अंशधारियों से पूर्व पूर्वाधिकर अंशधारियों की पूँजी का भुगतान होता है।
7) मूल्यों में परिवर्तन	कम्पनी के लाभ–हानि के साथ–साथ अंशों के भी मूल्यों मे परिवर्तन होता है।	पूर्वाधिकार अंशो का मूल्य निश्चित होता है।

अथवा

हल :– (1) दिनांक – जब अंश 10% प्रीमियम पर निर्गमित किये गये हैं ।

दिनांक	विवरण	खाता पृ. .	डेबिट राशि	क्रेडिट राशि	कार्य प्रणाली
1.	मशीन खाता Dr. To नीरज ट्रेडर्स (मशीन उधार खरीदी)		39,600	39,600	(अ) प्रीमियम राशि 39,600 x 10 110 3,600 रू.
2.	नीरज ट्रेडर्स Dr. To समता अंश पूँजी खाता To प्रतिभूति प्रीमियम खाता (10% प्रीमियम पर निर्गमित अंशों के द्वारा भुगतान करने पर)		39,600	36,000 3,600	(ब) अंशपूँजी की राशि 39,600 x 100 110 36,000 रू.

हल :– (2) दिनांक – जब अंश 10% कटौती पर निर्गमित किये गये हैं ।

दिनांक	विवरण	खाता पृ.	डेबिट राशि	क्रेडिट राशि	कार्य प्रणाली
1.	मशीन खाता Dr. To नीरज ट्रेडर्स (मशीन उधार खरीदी)		39,600	39,600	(अ) बट्टे की गणना 39,600 x 10 90 4,400 रू.
2.	नीरज ट्रेडर्स Dr. अंशो पर बट्टा Dr. To समता अंश पूँजी खाता (10% बट्टे पर निर्गमित अंशों के द्वारा भुगतान करने पर)		39,600 4,400	44,000	(ब)अंशपूँजी की गणना 39,600 x 100 90 44,000 रू.

प्र.23 पूर्वाधिकार अंशों के विभिन्न प्रकार निम्न है :–

(1) संचयी पूर्वाधिकार
(2) असंचयी पूर्वाधिकार अंश
(3) परिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश
(4) अपरिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश
(5) शोध्य पूर्वाधिकार अंश
(6) अशोध्य पूर्वाधिकार अंश
(7) भागयुक्त पूर्वाधिकार अंश
(8) अभागयुक्त पूर्वाधिकार अंश

(1) संचय पूर्वाधिकार अंश :– ऐसे अंश जिन पर लाभ संचित होता है, संचयी पूर्वाधिकार अंश कहे जाते हैं। कभी–कभी जब लाभ की अपर्याप्तता के कारण अंशों पर लाभांश नही दिया जा सकता तो आगामी वर्षो में पिछला लाभांश भी जो बकाया है दिया जा सकता है।

(2) असंचयी पूर्वाधिकार अंश :– ऐसे अंशों पर एक निश्चित दर से लाभांश दिया जाता है लेकिन बकाया लाभांश राशि आगामी वर्षो के लिए संचित नही रहती है।

(3) परिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश :– ऐसे अंश जिन्हें एक निश्चित अवधि के पश्चात समता अंशों में परिवर्तन किया जा सकता है समता अंश कहलाते हैं।

(4) अपरिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश :– ऐसे अंशों को समता अंशों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता अपरिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश कहलाते हैं।

अथवा

उत्तर –23. हल :– मोहन लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ :–

दिनांक	विवरण	खात पृ.	डेबिट राशि	क्रेडिट राशि
1.	बैंक खाता Dr. समातअंश आवेदन खाता से (आवेदन राशि प्राप्त होने पर 8000 अंशों पर 2रू. प्रति अंश की दर से)		16,000	16,000
2.	समता अंश आबंटन खाता Dr. समता अंश पूँजी खाता से (आवेदन राशि का अंश पूँजी खाते में स्थानांतरण)		16,000	16,000
3.	समता अंश आबंटन खाता Dr. समता अंश पूँजी खाता से (आबंटन राशि देय होने पर)		24,000	24,000
4	बैंक खाता Dr. समता अंश आबंटन खाता से (समता अंश आबंटन राशि प्राप्त होने पर)		24,000	24,000
5.	समता अंश प्रथम याचना खाता Dr. समता अंश पूँजी खाता से (प्रथम याचना राशि देय होने पर)		16,000	16,000
6.	बैंक खाता Dr. समता अंश आवेदन खाता से (प्रथम याचना राशि प्राप्त होने पर)		16,000	16,000
7.	समता अंश द्वितीय एवं अंतिम याचना खाता Dr. समता अंश पूँजी खाता से (अंतिम याचना देय होने पर)		24,000	24,000
8.	बैंक खाता Dr. समता अंश द्वितीय एवं अंतिम याचना खाता से (अंतिम याचना राशि प्राप्त होने पर)		24,000	24,000
	कुल योग		**1,60,000**	**1,60,000**

उत्तर–24 पूनर्मूल्यांकन खाता अंश एवं वसूली खाता में अन्तर :–

अंतर का आधार	पुनर्मूल्यांकन खाता	वसूली खाता
1) उद्देश्य	इस खाते में निर्माण का उद्देश्य सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन करना है।	इस खाते के निर्माण का उद्देश्य संम्पत्तियों के विक्रय से तथा दायित्वों के भुगतान से होने वाले लाभ या हानि को ज्ञात करता है।
2) बनाने का समय	यह खाता सामान्यतया किसी साझेदार के प्रवेश अवकाश ग्रहण या मृत्यु के समय बनाया जाता है।	यह खाता साझेदारी फर्म के विघटन के समय बनाया जाता है।
3) खातों पर प्रभाव	पूर्नमूल्यांकन खातों से संम्पत्तियों एवं दायित्वों के खाते बंद नही होते हैं।	वसूली खाते में जिन संपत्तियों एवं दायित्वों का लेखा किया जाता है उनके खाते बंद हो जाते हैं।
4) लेखांकन कीराशि	इस खाते में सम्पत्ति एवं दायित्वों के मूल्यों में होने वाली कमी या वृद्धि की राशि से लेखा किया जाता है।	इस खाते में सम्पत्ति एवं दायित्व का पुस्तकमूल्य (Book Value) पर किया जाता है।
5) आकृति	यह फर्म के जीवन–काल में अनेक बार बनाया जाता है।	यह खाता फर्म के जीवन काल में एक ही बार बनाया जाता है।
6) शेष विभाजन	नए साझेदार के प्रवेश के समय इस खाते का शेष पुराने साझेदारों में पुराने अनुपात में विभाजित किया जाता है	इस खाते का शेष सदैव सभी साझेदारों में लाभालाभ अनुपात में विभाजित किया जाता है।
7) व्यय	सम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुर्नमूल्यांकन में सामान्य तथा किसी भी प्रकार का व्यय नहीं करना पड़ता।	सम्पत्तियों के बिक्री तथा दायित्वों के भुगतान में सामान्यतः वसूली व्यय करना पड़ता है।

अथवा

हल :– When the value of assets is not given prepare memorandum balance sheet to ascertain the value of assets :-

Memorandum Balance Sheet

Liablities	Amount	Assets	Amount
Creditors Capital Accounts Amar - 80,000 Cheman - 60,000	45,000 1,40,000	Sendry Assets (Balance figer)	1,85,000
	1,85,000		1,85,000

Realization Account (वसूली खाता)

Particular	Amount	Particular	Amount
To sundry assest To Bank creditors paid To Profit on realization Transferred To Amar - 5000 Cheman - 5000	1,85000 45,000 10,000	By Creditors By Bank a/c (Assets realised)	45,000 195,000
	2,40,000		2,40,000

Partners Accounts (साझेदार पूंजी खाता)

Particular		Amount	Particular		Amount
To Bank a/c Capital Accounts Aman - 80,000 Cheman - 60,000	85,000	65,000	To balance b/d To realization A/c profit	80,000 5,000	60,000 5,000
	85,000	65,000		85,000	65,000

Bank Accounts

Particular	Amount	Particular	Amount
To Realization A/c (Assets realization)	1,95,000	By Realization A/c (Creditors) By Aman capital By Cheman capital	45,000 85,000 65,000
	1,95,000		1,95,000

.....xxx.....